

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट,
जमवारामगढ़ जिला जयपुर (राज0)

फर्द अहकाम

राजेश

बनाम

सरकार वगेरहा

प्रार्थना पत्र संख्या.....136...../2019

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
26.07.2019	<p>यह वाद पत्र प्रार्थी की ओर से जरिये वकील पेश किया गया। प्रकरण दर्ज रजिस्टर होकर सुनवाई हेतु अप्रार्थीगण को नोटिस जारी कर पत्रावली दिनांक 02.08.2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">@up</p> <p style="text-align: center;">उप खण्ड अधिकारी जमवारामगढ़ (जयपुर)</p>
2/8/19	<p>पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी व परीकार सरकार उपरिष्ठा कक्ष पर स/ तहसीलदार जमवारामगढ़ न कक्षा पत्र पेश किया जा पत्रावली में शामिल रहे उक्त पक्षों की वल सुनी गई जाते कौडेम दिनांक 6/8/19 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">@up</p>
5/8/19	<p>पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपरिष्ठा प्रार्थी वकील न पुस्तक प्रार्थन पत्र क्रमांक 136 लॉड रेवेन्यू एक्ट में कक्षा किया जा प्रार्थी आवासी तहसील जमवारामगढ़ जिला जयपुर में कृपि भूमि 2000 402 रकबा 04 बिदा 20000403 रकबा 10 बिदा किया जाही कक्षा प्रार्थी की शोतेदारी कक्षा (चली) का रही है</p> <p>इसके 2011-2014 की जमावदी शर्तों की एवं उसके बाद अभी हाल में डी सैरलमेर के दौरान वाद प्रार्थी के शासक रिकार्ड जमावदी में किसी वाद के वजाय में मुण-चाह अगुमार मुण्डरन इत्यादि कर किया गया</p> <p style="text-align: right;">@up</p> <p style="text-align: center;">उप खण्ड अधिकारी जमवारामगढ़ जयपुर</p>

मुं०-136/2019

उत्तरा-राज्य वनाम संहिता

पक्षी इससे पूर्व में राजव रिपोर्ट में
दिखाया जा चुका है कि वन-चली आ रही है मोंक
पर कोई गोंगु-चाट निर्मित नहीं है
अतः विवादि क्षेत्र में गोंगु-चाट
को हटाकर प्रयोगकर्ता को दिशा
वाही करने हेतु निर्देश किया।

तहसीलदार पन्वारागढ की रिपोर्ट
जात हुए तहसीलदार पन्वारागढ ने
अपनी रिपोर्ट में उल्लिखित किया कि
सन्त 2021-2024 तहसीर के दौरान
संख्यक के संख्यक 402, 403 को किता
पानी-चाही 2 के बजाय गोंगु-चाट
उल्लिखित कर दी गई। जो मुहि प्रोग्राम

उत्तरा पक्षी-की वन सुनी गई
वस्तु सुगत व पक्षी का संरक्षण
करने पर प्रयोग फ वनवर्त द्वारा
131, 132-136, L.R. Act को लीकर
किया जाय है एवं ग्राम राजवासी
तहसील पन्वारागढ (जयपुर) में संख्यक
संख्यक 402 संख्या 5 पित्त, संख्यक
403 संख्या 10 पित्त में वन गोंगु
-चाट के इलाज को हटाकर
इन्हें स्पष्ट रूप से दिशा
वाही 2 दर्ज करने के लिये तहसीलदार
पन्वारागढ को दिशे प्राप्ते है।
तहसीलदार पन्वारागढ तदनुसार रिपोर्ट
रिपोर्ट में उल्लिखित करें।

निर्देश की जति तहसीलदार
पन्वारागढ को पालागर्ष हेतु
भिरवाई जाये।

पक्षी-की वन सुगत व वन
संरक्षण के लिए वन-चली वन-चली
इलाज है।

निर्देश सुगत व वन

Rup
सहायक अधिकारी
उत्तरागढ (जयपुर)

